पथ निर्माण मंत्री नंदकिशोर यादव बोले, सड़क दुरुस्त करने पर खर्च होंगे 37 करोड़, 10 सितंबर तक टेंडर

बरसात बाद दानापुर-मनेर-बिहटा मार्ग पर मरम्मत कार्य शुरू होगा

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

पटना जिले के दानापुर-मनेर-बिहटा सड़क की मरम्मत पर लगभग 37 करोड़ खर्च किए जाएंगे। बरसात के बाद इस पर काम शुरू होगा। केंद्र ने इस सड़क की मरम्मत के लिए 36.99 करोड़ की राशि जारी कर दी है।

बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित सहयोग कार्यक्रम में पथ निर्माण मंत्री नंदकिशोर यादव ने कहा कि दानापुर से बिहटा के लिए मनेर होतें हुए सड़क मरम्मत का काम बरसात बाद शुरू होगा।

मार्च 2019 के पहले काम होगा पूरा: दस सितंबर तक मरम्मत के लिए टेंडर फाइनल होगा। मार्च 2019 के पहले मरम्मत कार्य पूरा करना है। सहयोग कार्यक्रम में प्रवक्ता निखिल आनंद के नेतृत्व में मनेर से आए शिष्टमंडल को मंत्री ने यह आश्वासन दिया।

गड़बड़ी की शिकायत की थी: प्रो. राजवीर ने बेलदारी चौर चौक से चंडिका स्थान तक सड़क मरम्मत में गड़बड़ी की शिकायत की। पूर्व मंत्री रामचंद्र सहनी ने एनएच-28 के बेलवलिया से सुगौली के फुलवार के बीच सड़क निर्माण की मांग रखी। पखवारे के बाद आयोजित 'जनसहयोग' कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग फरियाद लेकर आए। कार्यक्रम में प्रदेश मीडिया प्रभारी पंकज सिंह, राकेश सिंह व अक्षय भी मौजूद थे। राज्य के कई इलाके से लोग अपनी समस्या लेकर आये थे।

दानापुर-मनेर जर्जर सड़क की मरम्मत के लिए मनेर के खासपुर के पास बुधवार को रोड जाम कर प्रदर्शन करते लोग।

मनेर में खराब सड़क बनाने के लिए प्रदर्शन

मनेर। दानापुर-मनेर सड़क पर कई जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए। बरसात के दौरान उन गड्ढों पानी भर जाता है, जिससे सड़क दुर्घटनाएं बढ़ गई है। लोगों ने कई बार इसके मरम्मती के लिए प्रशासन से शिकायत की, लेकिन कुछ नहीं हुआ। बुधवार को लोगों को सब्र का बांध टूट गया। गुस्साए लोग खासपुर के पास सड़क पर उतर आये। दानापुर सड़क के बीचों बीच कुर्सी लगा आवागम को बाधित कर दिया। जाम का नेतृत्व कर रहे विनय कृष्ण चुन्नू ने कहा कि पिछले तीन चार माह से आश्वासन मिल रहा है। मनेर बीडीओ जाम स्थल पर पहुंची। एसडीओ ने गुरुवार से सड़क के गड्ढों को भरने का भरोसा दिलाया।

जिले की तीन जर्जर सड़कों का 90 करोड़ से होगा निर्माण

पटना। जिले की तीन मुख्य सड़कों का कायाकल्प होगा। दुल्हिन बाजार से सहरामपुर, पाली से अतौला और पाली से अकबरपुर की टूटी-फूटी सड़क नई बनेगी। पथ निर्माण निगम ने इन तीनों पथों के निर्माण के लिए विभाग को सप्ताहभर पहले प्रस्ताव भेजा है। निगम को इसकी स्वीकृति मिलने की संभावना है। तीनों सड़कों का निर्माण सीआरएफ (सेंट्रल रिजर्व फंड) से बननी है। 30-30 करोड़ की लागत इन सड़कों के निर्माण में आएगी। दुल्हिन बाजार से सहरामपुर तक साढ़े ग्यारह किमी, पाली से अतौला के बीच 10 किमी और पाली से अकबरपुर के बीच 11 किमी की सड़क बनेगी। सभी सड़कें 7 मीटर चौड़ी और टू लेन होगी। वाहन चालक इन गड्ढों से बचने के लिए लंबी दूरी का रास्ता तय करते हैं जिससे सफर दोगुना हो जाता है। दुल्हिन बाजार से सहरामपुर की दूरी 12 किमी के करीब है। लेकिन यह सफर 27 किमी में पूरी होती है।

पांच साल में एक तिहाई भी नहीं बनी पटना-डोभी सड़क

पटना। पटना-गयां-डोभी सड़क पांच साल में एक तिहाई भी नहीं बनी। बोधगया से जुड़ने के कारण यह अंतर्राष्ट्रीय महत्व की सड़क है। साथ ही राजधानी पटना को यह जीटी रोड से भी जोड़ती है। बावजूद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) इस सड़क को लेकर उदासीन है। सड़क की दो बार निर्माण अवधि बढ़ाई गई। इसकी लंबाई 127 किमी है। इसका निर्माण जापान की कंपनी जायका की वित्तीय सहायता से हो रहा है। चार लेन की इस सड़क पर तीन रेल ओवरब्रिज का निर्माण होना है। इसके अलावा तीन स्थानों पर सर्विस लेन भी बननी है। 17 छोटे पुल व दो सौ से अधिक छोटे कल्वर्ट भी बनाये जाने हैं। अभी काम एक तिहाई भाग पर ही चल रहा है। इस सड़क के निर्माण में जमीन सबसे बड़ी बाधा है। एजेंसी का काम भी मंद है। जितनी जमीन मिली है उतने पर भी काम शुरू नहीं हो सका है। खास बात यह है कि एजेंसी इस सड़क का निर्माण एक तरफ से नहीं कर रही है। कहीं दस किमी में कालीकरण तक का काम हो चुका है तो बीच में काम शुरू भी नहीं हुआ है। पांच किमी में मिट्टी भराई का काम चल रहा है। यह योजना दस वर्ष से अधिक पुरानी है। एजेंसी को निर्माण का जिम्मा अप्रैल 2014 में दिया गया।

योजना एक नजर में
127 किमी लंबी है सड़क
2015 करोड़ रुपये है लागत
04 साल तय थी निर्माण की अवधि
2014 में शुरू हुआ था निर्माण